नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 252
दि. 12.01.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'गजनी से औरंगजेब तक अतीत में हो गए दफन', डमरू बजाकर विरोधियों पर जमकर बरसे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में जोर-शोर से हिस्सा लिया और मंदिर के गौरवशाली इतिहास को जनता के समक्ष रखा। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कैसे एक हजार साल पहले पूर्वजों ने मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाकर आस्था का प्रदर्शन किया।'

ढट मोदी ने कहा कि 'सोमनाथ महादेव मंदिर में आज झंडा फहराना पूरे विश्व को भारत की शक्ति और उसकी क्षमताओं का स्पष्ट संदेश देता है, इन आक्रमणकारियों ने अपनी तलवार के बल पर सोमनाथ को जीतने का भ्रम पाला था लेकिन समय के चक्र में, वे कट्टरपंथी आक्रमणकारी अब केवल इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह गए हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है।' पीएम मोदी के संबोधन की खास बातें -

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'यहां मौजूद आपके पूर्वजों ने, हमारे पूर्वजों ने अपनी आस्था और अपने विश्वास के लिए, महादेव के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया था। उन्होंने अपनी हर चीज का बलिदान कर दिया।'

जब मैं आपसे बातचीत कर रहा हूं, तो बार-बार यह सवाल उठता है - ठीक 1000 साल पहले, इसी जगह पर कैसा माहौल रहा होगा

आक्रमणकारियों को लगा था कि उन्होंने हमें हरा दिया, लेकिन आज 1000 साल बाद भी, सोमनाथ महादेव मंदिर में यह झंडा फहराना पूरे विश्व को भारत की शक्ति और उसकी क्षमताओं को दिखाता है

'पुनरुद्धार का यह चक्र विश्व इतिहास में अद्वितीय है'

सोमनाथ मंदिर पर हमले एक लंबे दौर की शुरूआत थे, जब सदियों तक इसे बार-बार ध्वस्त करके फिर से बनवाया गया। इन सबके बावजूद, सोमनाथ कभी लोगों की सामूहिक चेतना से ओझल नहीं हुआ- ढट मोदी

मंदिर के विनाश और पुनरुद्धार का यह चक्र विश्व इतिहास में अद्वितीय है, जो दशार्ता है कि सोमनाथ केवल एक पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि विश्वास, पहचान और सभ्यतागत गौरव का जीवंत प्रतीक है

कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों पर निशाना साधा और उन पर गुजरात तट पर स्थित इस मंदिर पर मुगल आक्रमणकारियों द्वारा किए गए कई हमलों के इतिहास पर पर्दा डालने का आरोप लगाया-पीएम मोदी

यदि सोमनाथ पर हमला केवल धन लूटने के लिए होता, तो पहला हमला ही पर्याप्त था, लेकिन इस पर बार-बार हमला किया गया और इसकी पवित्रता को भंग किया गया-पीएम मोदी

घृणा, अत्याचार और आतंक का वास्तविक इतिहास हमसे छिपाया गया; हमें सिखाया गया कि हमला केवल लूट का प्रयास था। तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त लोग ऐसे धार्मिक चरमपंथ के आगे झुक गए

मालूम हो कि देश में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 8 जनवरी से 11 जनवरी तक मनाया गया, यह 1026 ईस्वी में मंदिर पर पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने का स्मरणोत्सव है। उस हमले ने एक लंबे दौर की शुरूआत थी, जिसमें सोमनाथ को बार-बार नष्ट किया गया और फिर से निर्मित किया गया। इन लगातार हमलों के बावजूद, मंदिर लोगों की सामूहिक चेतना में गहराई से बना रहा। इसके विध्वंस और पुनरुद्धार का चक्र अक्सर विश्व इतिहास में अद्वितीय बताया जाता है, जो सोमनाथ के स्थायी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दशार्ता है।

रङ्केल्लंइँ ढं१५

रङ्केल्लंइँ ढं१५: प्रधानमंत्री मोदी ने बजाया डमरू

अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने शौर्य यात्रा पूरी की, जिसमें उन्होंने डमरू बजाकर यात्रा को और रोचक बना दिया। इसके बाद वो सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। वीर हमीरजी गोहिल को 1299 ईस्वी में जफर खान के आक्रमण के दौरान सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए याद किया जाता है। प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी मौजूद थे।

सीएम योगी ने सोनभद्र विधायक खेल महाकुंभ की सराहना की:कहा- खेल से युवाओं में आत्मविश्वास का संचार हो रहा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनभद्र सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा आयोजित 'विधायक खेल महाकुंभ' की प्रशंसा की है। उन्होंने विधायक को पत्र लिखकर इस आयोजन को युवाओं में आत्मविश्वास जगाने वाला बताया।

एक सप्ताह पहले सदर विधायक भूपेश चौबे ने लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस खेल महाकुंभ के संबंध में जानकारी दी थी। उस समय भी मुख्यमंत्री ने विधायक को इस पहल के लिए बधाई दी थी और कहा था कि आलोचनाओं की परवाह किए बिना कर्तव्य पथ पर डटे रहने से सफलता अवश्य मिलती है।

अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने लिखा है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व, टीम भावना और राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में खेलों के माध्यम से संस्कृति और प्रतिभा को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सोनभद्र में आयोजित इस खेलकूद प्रतियोगिता को एक सराहनीय पहल बताया, जो ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उनमें आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास कर रही है।

योगी आदित्यनाथ ने उल्लेख किया कि क्षेत्र के बालक-बालिकाओं, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन को समावेशी और प्रेरणादायक स्वरूप प्रदान कर रही है। उन्होंने आयोजकों, जनप्रतिनिधियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री का यह पत्र जैसे ही जिले में प्रसारित हुआ, खिलाड़ियों और आयोजकों में नया उत्साह और संकल्प देखा गया। आयोजक मंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई प्रशंसा के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

भगवंत मान ने 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे, पुलिस और हुई मजबूत

लुधियाना (जीएनएस)।

जब अधिकांश राज्यों में युवाओं के लिए सरकारी नौकरी एक खूबसूरत सपना बनकर रह गई है, तब पंजाब इसके विपरीत तस्वीर पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर के पीएपी ग्राउंड में 1,746 पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, जो एक रिकॉर्ड है और यह घोषणाओं के बजाय परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण को दशार्ता है।

पंजाब सरकार 16 मार्च 2022 से औसतन प्रतिदिन 45 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ प्रदान कर रही है, जिससे चार वर्षों से भी कम समय में 63,027 नियुक्तियाँ कर इतिहास रचा गया है। यह सामूहिक भर्ती न केवल पंजाब पुलिस को मजबूत करती है, बल्कि योग्यता-आधारित और पारदर्शी भर्ती के स्पष्ट संदेश को भी सुदृढ़ करती है। साथ ही, नव-शामिल बल को नशों, साइबर अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रविवार को पंजाब पुलिस के सशस्त्र और जिला कैडर के 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि इस सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ युवाओं ने दो या तीन सरकारी नौकरियाँ भी प्राप्त की हैं। अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही मैंने यह सुनिश्चित किया कि योग्य युवाओं को उनका हक मिले और इसी कारण अब तक 63,027 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं। आज 1,746 और युवा पंजाब सरकार के परिवार में शामिल हुए हैं, जो अब राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदार बनेंगे।"

इन नियुक्तियों को कोई एहसान न बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब के युवा अपनी योग्यता के आधार पर इन नौकरियों के हकदार हैं। दुर्भाग्यवश पिछली सरकारों ने कभी उनकी परवाह नहीं की। मुझे संतोष है कि ये भर्तियाँ पूरी तरह मेरिट के आधार पर की गई हैं। मैं नव-भर्ती युवाओं से अपील करता हूँ कि वे शासन का अभिन्न अंग बनकर मिशनरी भावना से जनता की सेवा करें।"

नव-भर्ती उम्मीदवारों पर विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप अपने पदों का उपयोग जरूरतमंदों और वंचितों की सहायता के लिए करेंगे। आपका कर्तव्य अधिकतम जनकल्याण सुनिश्चित करना है, ताकि समाज के हर वर्ग को लाभ मिल सके। ये भर्तियाँ पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की गई हैं और उम्मीदवारों का चयन प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के बाद ही किया गया है।"

सरकार के मुख्य एजेंडे को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "पहले दिन से ही इस सरकार का एकमात्र उद्देश्य सरकारी नौकरियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना रहा है।

राम मंदिर में नमाज की कोशिश के बाद कश्मीरी शख्स परिजनों के सुपुर्द, मानसिक बीमारी सामने आई

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश के आरोप में हिरासत में लिए गए कश्मीर निवासी अहमद शेख को मानसिक बीमारी के मेडिकल प्रमाण पेश करने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया गया। सुरक्षा बलों ने शनिवार को शख्स को तब हिरासत में लिया था, जब वह मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की तैयारी करता देखा गया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के रहने वाले अहमद शेख की मानसिक स्थिति को लेकर परिवार ने अयोध्या पहुंचकर पुलिस को मेडिकल दस्तावेज सौंपे। सिटी के पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि दस्तावेजों की समीक्षा के बाद शख्स को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने अन्य कश्मीरी युवकों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई आपत्तिजनक जानकारी नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियां मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सतर्क बनी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद मंदिर परिसर में सुरक्षा को और कड़ा किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

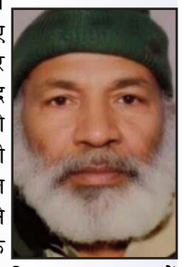

अहमद शेख के परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार है और उसका व्यवहार कभी-कभी असामान्य हो जाता है।

लखनऊ में 28 नए बिजलीघर बनेंगे, 250 करोड़ से 10 लाख आबादी की बिजली व्यवस्था होगी मजबूत

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बिजली व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से शहर और ग्रामीण इलाकों में 28 नए 33/11 केवी बिजलीघरों का निर्माण किया जाएगा। इन बिजलीघरों के बन जाने से शहर से गांव तक लगभग 10 लाख से अधिक की आबादी को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इसके लिए संबंधित विभागों ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अमौसी, लखनऊ मध्य, जानकीपुरम और गोमती नगर जोन में नए बिजलीघरों के लिए अलग-अलग ब्लूप्रिंट तैयार किए गए हैं। जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि यदि समय रहते छह नए बिजलीघरों का निर्माण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसी को देखते हुए न्यू कैम्पस, दाउदनगर, अहिबरनपुर, सुभाष पार्क, फैजुल्लागंज और मानपुर बाना बीकेटी क्षेत्रों के पास नए उपकेंद्र बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। लखनऊ मध्य जोन में न्यू ऐशबाग, न्यू तालकटोरा, मल्लपुर, न्यू आरडीएसओ और न्यू ठाकुरगंज में बिजलीघर बनाने की योजना तैयार की गई है। वहीं अमौसी जोन में सबसे अधिक 13 नए बिजलीघर बनाए जाने का प्रस्ताव है। यहां मोहनलालगंज, नादरगंज, दुबग्गा और काकोरी जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

गोमती नगर जोन में 32 करोड़ रुपये की लागत से तीन नए बिजलीघर बनाए जाएंगे। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक तकनीकी हरीश बंसल ने बताया कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से राजधानी की बिजली व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

इंडियाएआई, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन करेंगे

भारत के विभिन्न राज्यों में जिम्मेदार एवं समावेशी एआई को अपनाने को बढ़ावा

इंडियाएआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आधिकारिक अग्रगामी के तौर पर एआई के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के नेतृत्व का प्रदर्शन

आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई के कार्यान्वयन के तरीकों को आगे बढ़ाने हेतु इंडियाएआई कार्य समूह की बैठक

(जीएनएस)।

इंडियाएआई तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से 12-13 जनवरी 2026 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन करने जा रहे हैं। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य शासन और सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के अत्याधुनिक उपयोग को प्रदर्शित करना और राज्य-स्तरीय पहलों को इंडियाएआई मिशन के लक्ष्यों के साथ जोड़ना है।

उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 आगामी 16-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक अग्रगामी कार्यक्रम है और यह देश भर में आयोजित की जा रही आठ क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय श्रृंखला का हिस्सा है। लखनऊ में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ नीति निमार्ता, राज्य एवं केन्द्र सरकार के अधिकारी, वैश्विक संस्थान, उद्योग जगत के प्रमुख, शोधकर्ता और अन्वेषक एआई को जिम्मेदारीपूर्वक, समावेशी तरीके से और बड़े पैमाने पर अपनाने के बारे में चर्चा करने के लिए एकत्रित होंगे। इस कॉन्फ्रेंस में विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण पर ध्यान दिया जाएगा।

दो दिनों तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में वैश्विक एआई परिदृश्य, एआई-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति, राज्य-स्तरीय तैयारी एवं क्षमता विकास, स्वास्थ्य के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, एआई-आधारित नैदानिकी एवं नैदानिक नवाचार और श्रमशक्ति सशक्तिकरण पर चर्चा के सत्र होंगे। साथ ही स्टार्टअप का प्रदर्शन, हैकाथॉन के नतीजे और उद्योग के नेतृत्व वाले प्रदर्शन भी होंगे, जिनका उद्देश्य नीतिगत के इरादों को असल दुनिया में बड़े पैमाने पर लोगों पर असर डालने वाले नतीजों में बदलना है।

इस कॉन्फ्रेंस से पहले, 'आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई' विषय पर इंडियाएआई कार्य समूह की बैठक 12 जनवरी 2026 को लखनऊ में हाइब्रिड प्रारूप में होगी।

भारतीय नौसेना ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2026 में भारत की समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले 2026 में भाग ले रही है। यह साहित्य, ज्ञान और विरासत का उत्सव मनाने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 9 दिवसीय मेगा मेले का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया।

भारतीय नौसेना की भागीदारी भारत की समृद्ध समुद्री विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्ट करती है। भारतीय नौसेना का प्रमुख अनुसंधान संस्थान, नौसेना इतिहास प्रभाग (एनएचडी), इस पहल का नेतृत्व कर रहा है। एनएचडी ने एनबीटी के सहयोग से भारतीय नौसेना के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए हैं जिनमें भारतीय नौसेना के प्रामाणिक प्रकाशनों के साथ-साथ बारीकी से तैयार किए गए जहाजों के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। ये स्टॉल आगंतुकों को नौसेना के विकास, परंपराओं और परिचालन उत्कृष्टता की जीवंत झलक प्रदान करते हैं।

हॉल नंबर 5 में स्थित नौसेना मंडप में, भारतीय नौसेना के आधिकारिक इतिहास (1945-2021) के सात खंड, भारतीय नौसेना के विभिन्न जहाजों, पनडुब्बियों, वायु स्क्वाड्रनों और प्रतिष्ठानों के इतिहास के साथ-साथ भारत के समुद्री इतिहास पर पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं ताकि आगंतुकों को देश की समृद्ध समुद्री और नौसैनिक विरासत की बेहतर समझ मिल सके।

ये प्रदर्शनियां भारत की समुद्री यात्रा का एक आकर्षक वृत्तांत प्रस्तुत करती हैं जिसमें विद्वत्ता और दृश्य आकर्षण का मिश्रण है।

अपने अकादमिक प्रयासों के अंतर्गत, एनएचडी ने 10 जनवरी 2026 को 1971 के युद्ध पर केंद्रित एक पैनल चर्चा का आयोजन किया जिसका संचालन कमांडर नीरज वशिष्ठ ने किया। पैनल में सेवानिवृत्त वीआरसी कमांडर विजय प्रकाश कपिल और प्रख्यात रक्षा पत्रकार संदीप उन्नीथन ने भाग लिया। उन्होंने भारत के नौसेना इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर गहन विचार प्रस्तुत किए।

ह्यनौसेना समुद्री अभियानः अतीत और वर्तमानह्न विषय पर एक पैनल चर्चा 11 जनवरी 2026 को शाम 6:00 बजे से हॉल 5 के पवेलियन में आयोजित की जाएगी। सत्र का संचालन कमांडर कलेश मोहनन करेंगे; पैनल में कैप्टन प्रशांत सी मेनन और कमांडर नीरज वशिष्ठ शामिल होंगे। ह्यनियम आधारित व्यवस्था का निमार्णः भारतीय नौसेना की भूमिकाह्न शीर्षक पर एक अन्य महत्वपूर्ण पैनल चर्चा 14 जनवरी 2026 को एसोसिएट प्रोफेसर अभिमन्यु सिंह अरहा के संचालन में आयोजित की जाएगी जिसमें लेफ्टिनेंट कमांडर अनुपमा थपलियाल और लेफ्टिनेंट जीवितेश सहारन हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

इस पुस्तक मेले का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय नौसेना पर नौसेना इतिहास विभाग द्वारा तैयार की गई एक पुस्तक का विमोचन होगा जिसका अनावरण नौसेना प्रमुख द्वारा एक भव्य समारोह में किया जाएगा।

प्रदर्शनियों और चचाओं के अलावा, एनएचडी युवा आगंतुकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर, लड़के-लड़कियों को भारतीय नौसेना में करियर बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने क्षेत्रीय प्रदर्शनी 2026 वाइब्रेंट गुजरात में स्वास्थ्य मंडप की स्थापना की

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने भारत सरकार के प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात के राजकोट स्थित मारवाड़ी विश्वविद्यालय में 11 से 15 जनवरी 2026 तक चल रही क्षेत्रीय प्रदर्शनी वाइब्रेंट गुजरात 2026 में एक व्यापक स्वास्थ्य मंडप स्थापित किया है।

लगभग 700 वर्ग मीटर में फैले स्वास्थ्य मंडप का उद्घाटन आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और जिला स्वास्थ्य प्राधिकरणों के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। ह्रस्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारतह्व की थीम पर आधारित यह मंडप सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और एक स्वस्थ, सशक्त और सक्षम समाज को आगे बढ़ाने के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस पवेलियन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 12 कार्यक्रम विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 स्टॉल हैं, जिनमें राज्य सरकार और जिला स्वास्थ्य प्राधिकरणों की सक्रिय भागीदारी है। ये स्टॉल आगंतुकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, सूचनात्मक सहायता और जागरूकता गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करा रहे हैं। सुगम पहुंच और जानकारीपूर्ण भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए, कार्यक्रम विभाग अनुसार सेवाओं की सूची पवेलियन के दोनों प्रवेश द्वारों पर प्रमुखता से प्रदर्शित की गई है।

इस प्रदर्शनी में मंत्रालय की भागीदारी का उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना, विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। प्रचार-प्रसार और जन संपर्क को और मजबूत करने के लिए, पवेलियन को आकर्षक और जानकारीपूर्ण बनाया गया है, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को नवीन और सुलभ तरीके से प्रसारित करने के लिए एक समर्पित इंटरैक्टिव जोन स्थापित किया गया है।

उद्घाटन के बाद, स्थानीय टीबी चैंपियंस – वे व्यक्ति जो तपेदिक से सफलतापूर्वक उबरे हैं – ने अपने अनुभव साझा किए और उनके उपचार और पुनर्प्राप्ति के दौरान उनका समर्थन करने में सरकारी पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त, एचआईवी से पीड़ित अन्य व्यक्तियों (पीयर पीएलएचआईवी) ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें एचआईवी और एड्स से प्रभावित व्यक्तियों के लिए उपचार, मनो–सामाजिक सहायता और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने में सरकारी हस्तक्षेपों के सकारात्मक प्रभाव को उजागर किया गया।

स्वास्थ्य मंडप को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित आगंतुकों से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है और यह क्षेत्रीय प्रदर्शनी वाइब्रेंट गुजरात 2026 में एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा है। जनता की निरंतर भागीदारी भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और समावेशी, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के प्रति बढ़ती जागरूकता और विश्वास को दशार्ती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सतत नवाचार, राज्यों और हितधारकों के साथ घनिष्ठ सहयोग और देश भर में जन–केंद्रित स्वास्थ्य पहलों के कार्यान्वयन के माध्यम से "स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत" की परिकल्पना को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिंदू की अगुवाई मे जोरदार स्वागत

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमानगढ़ी महंत राजूदास जी महाराज का लखनऊ जाते समय सफदरगंज चौराहे पर हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिंदू की अगुवाई मे जोरदार स्वागत किया गया इस दौरान महंत राजूदास के भक्तो के जयश्रीराम के नारे से पुरा चौराहा गुंजाम्यान हो गया।

बताते चले कि रविवार को हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अयोध्या हनुमानगढ़ी महंत राजूदास जी महाराज लखनऊ जा रहे थे जिसकी जानकारी हिंदु सुरक्षा सेवा संघ के तमाम कार्यकर्ता सफदरगंज चौराहे पर पहुंचकर जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिंदु की अगुवाई मे माला पहनाकर स्वागत किया इस दौरान भक्तो के जयश्रीराम के जयकारे से पुरा चौराहा गुंजामयान हो गया।

स्वागत के दौरान पवन विश्वकर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा ,लव कुश कुमार वर्मा आकाश वर्मा मन्नू रावत सनत वर्मा गर्वित जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

जीविका कॉलेज ऑफ फामेर्सी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने बीजेएमसी छात्र के साथ महिपाल सिंह लॉ कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर ऐठे 1 लाख 26000 रू

(जीएनएस)।

लखनऊ। ठाकुरगंज के क्षेत्र अहमदगंज निवासी छात्र सुभाष गौतम से जीविका कॉलेज ऑफ फामेर्सी के मैनेजिंग डायरेक्टर आर के गौतम उर्फ रमाकांत द्वारा एल एल बी के प्रथम सेमेस्टर में एडमिशन दिलाने के नाम पर 1 लाख 26000 रुपए ऐठ लिए। जब छात्र द्वारा आर के गौतम उर्फ रमाकांत को कॉल करके फीस रसीद या कॉलेज का आई डी कार्ड माँगा जाता है तो समय देकर टालते रहते है। आर के गौतम द्वारा न तो छात्र को

कॉलेज में एडमिशन का कोई प्रूव नही दिया गया है। जिससे छात्र को विश्वाश है की अभी तक उसका महिपाल सिंह लॉ कॉलेज में एडमिशन नही हुआ है। जबकि छात्र से स्कॉलरशिप का फॉर्म भी भरवा लिया गया है। जिसको लेकर छात्र का भविष्य खतरे में पड़ गया हैं।

दिनांक 8 जनवरी को जब सुभाष गौतम ने कॉल करके आर के गौतम उर्फ रमाकांत से अपना प्रवेश पत्र मांगा तो कहने लगे अभी आपका सेंटर बदल गया हैं जब सेंटर सेल्फ हो जाएगा तब आपको देंगे। और मुझसे कहा गया कि अगर ज्यादा पैसे दोगे तो नकल का भी जुगाड़ करवा देंगे। योगी सरकार छात्रों के प्रति रुचि दिखाकर ग्रेजुएट छात्रों को टैबलेट देकर शिक्षा के प्रति आगे बढ़ने की संवेदना देते है दूसरी तरफ ऐसे भ्रमित अध्यापक जो कि छात्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ते है।

सीएम सैनी ने चरण कंवल साहिब माछीवाड़ा गुरुद्वारा साहिब में टेका माथा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लुधियाना में ऐतिहासिक चरण कमल साहिब गुरुद्वारे का दौरा किया, गुरु गोबिंद सिंह की सेवा और बलिदान पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से इन मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया और नकारात्मक राजनीतिक बयानबाजी के खिलाफ चेतावनी दी, जबकि प्राचीन मुक्तेश्वर शिव मंदिर में आशीर्वाद के लिए भी गए।

(जीएनएस)।

हरियाणा के मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने रविवार को अपने पंजाब दौरे के दौरान ऐतिहासिक गुरुद्वारा चरण कंवल साहिब, माछीवाड़ा, लुधियाना पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस पवित्र स्थल पर आकर वे स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक स्थान है जहां दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने आकर कठोर तपस्या की थी और देश व समाज को धर्म, साहस और मानवता की शिक्षा दी थी।

उन्होंने कहा कि गुरुओं ने सदैव समाज और देश की भलाई के लिए संघर्ष किया और महान बलिदान दिए। हमें उनकी शिक्षाओं और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चरण पड़े और उन्होंने यहां रहकर समाज को दिशा दी, ऐसे पावन स्थल को नजदीक से देखने और शीश नवाने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर गुरुओं ने कुर्बानियां न दी होतीं, तो आज हमारा इतिहास कुछ और ही होता। गुरुओं ने किसी एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सर्व समाज और पूरे देश के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिया। उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय-समय पर उन्हें गुरुओं की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिलता रहा है।

एक अन्य प्रश्न परनायब सिंह सैनी ने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए गलत बयानबाजी करते हैं, जो बिल्कुल अनुचित है। गुरुओं को लेकर ऐसी भाषा न तो बोलनी चाहिए और न ही सोचनी चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा इस प्रकार की बातें करना निंदनीय है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी प्रधान जसबीर सिंह, हेड ग्रंथी ज्ञानी हरचरण सिंह भी मौजूद रहे इसके उपरांत मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने प्राचीन श्री मुक्तेश्वर शिव मंदिर (मुक्तिधाम) चहिला में जाकर पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया और देशवासियों की समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कड़कती ठंड में गरीबों का सहारा बनी भारतीय किसान यूनियन क्रांति की टीम

(जीएनएस)।

हरदोई/शाहाबाद तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायतें आगापुर सरदारनगर, घुराह के हल्का लेखपाल मृदुल अवस्थी जी के सहयोग से भारतीय किसान यूनियन क्रांति की टीम जिला अध्यक्ष पश्चिम अनुराग यादव, ब्लाक अध्यक्ष शाहाबाद सौरभ कुमार, ब्लाक सचिव टोडरपुर विजय प्रताप सिंह ने कई गरीब किसान और बेसहारा महिलाओं को कंबल वितरित कराए जियो मेरे लाल, हजारों साल गरीब किसान,

विकलांग, महिलाओं को कंबल मिलते

ही मुह से एक ही शब्द निकला जियो मेरे लाल हजारों साल गरीब किसानों की मदद करना हमारा कर्तव्य है भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिला अध्यक्ष हरदोई और प्रदेश अध्यक्ष अवध सत्यवीर सिंह ने कहा कि हम गरीब किसानों की मदद प्रशासन से कराते रहेंगे उनके हक अधिकारों की लडाई लडते रहेंगे सभी किसान भाई संगठित रहने का सहयोग करें।

अमेठी सांसद द्वारा 19 लाख रुपये की लागत से 2 ट्राली ट्रांसफार्मर विधानसभा सलोन की जनता को समर्पित

(जीएनएस)।

लखनऊ। रायबरेली तहसील मुख्यालय सलोन स्थित अधिशाषी अभियंता कार्यालय (विद्युत) परिसर में अमेठी के लोकप्रिय सांसद किशोरीलाल शर्मा ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत विद्युत कार्यों का लोकार्पण किया, 250 केवीए क्षमता के 2 ट्राली ट्रांसफार्मर विधानसभा सलोन हेतु विद्युत विभाग को सौंपा। सांसद का यह प्रयास अमेठी के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को और सुचारु एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में अति महत्वपूर्ण कदम है। ट्राली ट्रांसफार्मर

की सुविधा से न केवल आपातकालीन स्थिति में तत्काल विद्युत व्यवस्था बहाल की जा सकेगी बल्कि अमेठी की सम्मानित जनता को निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त विधानसभा सलोन में सांसद निधि से 85.13 लाख की लागत से 400 सोलर लाइटें, 18 लाख की लागत से 9 विद्युत हाईमास्ट लाइटें लगवाई गई और 73 लाख की लागत से 10 इंटरलॉकिंग रोड का कार्य प्रगति पर है। साथ ही पीएमजीएसवाई के अंतर्गत 10 सड़कों का कार्य भी चल रहा है। सांसद ने हमेशा अमेठी की जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में अमेठी के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह कार्य एक और मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, पूर्व प्रत्याशी अर्जुन पासी, चौधरी अख्तर समीम, चौधरी निखत पूर्व चेयरमैन, मो० मोबिन उर्फ चंदन, राजू सिंह, नगर अध्यक्ष अयाज अहमद, काजू, समीर आलम, मो० फिरोज सभासद, शाहबाज चौधरी सहित स्थानीय कांग्रेस जन व विद्युत विभाग के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

निगोहां कस्बा इंचार्ज अनूप तिवारी का मानवीय चेहरा, भटकती अर्धमानसिक महिला को परिजनों से मिलवाया

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निगोहां क्षेत्र के कस्बा इंचार्ज अनूप तिवारी ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए कई दिनों से भटक रही अर्धमानसिक विक्षिप्त महिला को उसके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाया देर रात निगोहां कस्बे में पोस्ट ऑफिस के पास महिला को भटकते देख कस्बा इंचार्ज ने तत्परता दिखाते हुए उससे पूछताछ की, लेकिन महिला अपनी पहचान बताने में असमर्थ रही इसके बाद महिला के इशारों और स्थानीय जानकारी के आधार पर कस्बा इंचार्ज ने सक्रिय प्रयास करते हुए उसके परिजनों की तलाश शुरू की लगातार प्रयासों के बाद महिला के परिवारजनों को खोज निकाला गया, जिसके बाद उसे पति के सुपुर्द सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया परिजनों ने राहत की सांस लेते हुए पुलिस का आभार जताया। इस मानवीय कार्य की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है और लोग कस्बा इंचार्ज अनूप तिवारी की संवेदनशील सोच और सेवा भावना की प्रशंसा कर रहे हैं मानवता की मिसाल बनी निगोहां पुलिस, जनता में बढ़ा भरोसा।

पीलीभीतः पूरनपुर बमनपुरी में बोलेरो पर पेट्रोल छिड़क आग लगाने में लाखों का नुकसान

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बमनपुरी में गुरुवार–शुक्रवार की मध्यरात्रि लगभग 1:35 से 1:50 बजे के बीच एक अज्ञात व्यक्ति ने कंबल ओढ़े बोलेरो कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आगजनी के दौरान आरोपी खुद भी चपेट में आ गया और झुलस गया। इस हादसे में पास खड़ी दो अन्य कारें, दो ई–रिक्शा और एक बंद दुकान भी जलकर खाक हो गईं, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ।सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटनाघटना बैंक ऑफ बड़ौदा के पास पार्किंग में खड़ी विजय कुमार गुप्ता की बोलेरो ठीक्ष्ञ पर हुई। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि अज्ञात व्यक्ति पेट्रोल छिड़कता है और आग लगाता है। मात्र 40 सेकंड में आग विकराल रूप धारण कर लेती है। इसकी चपेट में बमनपुरी निवासी राकेश खंडेलवाल की मारुति बलेनो, फतेहचंद के पुत्र प्रमोद पांडे की स्विफ्ट कार, दो ई–रिक्शा और संजीव पांडेय की बंद दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।गाड़ी मालिकों ने की रंजिश से इंकार, क्षेत्र में दहशतवाहनों के मालिकों ने किसी से रंजिश या दुश्मनी होने से इंकार किया है। मोहल्ला चौक वार्ड नंबर 24 निवासी विजय कुमार गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी बोलेरो पर आग लगाई गई। घटना की सूचना

गुमशुदा की तलाश,20 वर्षीय युवक रिंकू वर्मा लापता हो गए हैं

(जीएनएस)।

(वर्तमान भारत)पीलीभीत पूरनपुर। जनपद के थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम गढ़ा कलां निवासी 20 वर्षीय युवक रिंकू वर्मा लापता हो गए हैं परिवार बहुत परेशान है जानकारी के अनुसार, रिंकू वर्मा पुत्र हरिचंद्र वर्मा दिनांक 09 जनवरी 2025 को दोपहर करीब 01 बजे बिना बताए घर से कही चले गए लेकिन देर शाम तक वह घर वापस नहीं लौटे, जिसके बाद परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं लग पाया।

परिजनों ने थाना सेहरामऊ में तहरीर दी परिजनों की तहरीर पर थाना सेहरामऊ उत्तरी में उसी दिन गुमशुदगी

दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम भी रिंकू वर्मा की तलाश में जुटी है। गुमशुदा व्यक्ति का हुलिया—लंबाई लगभग 5 फीट,4 इंच, रंग गोरा, लाल रंग की टी शर्ट, ऊपर मिला, पीली पेंट, जीन्स बेल वाटम पहने हुए बताए गए हैं।

थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को रिंकू वर्मा के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो, तो तुरंत नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें, जिससे उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके।

सूचना हेतु संपर्क करेः

शिकायतकर्ता हरिश्चंद्र वर्मा–9129363400

जांचकर्ता उप निरीक्षक अनिल कुमार सिद्धू – 9411909050

प्रभारी निरीक्षक, संजय कुमार – 9454404225

पीलीभीत में शीत लहर के बीच तहसील प्रशासन सतर्कः गोवंशों की सुरक्षा के लिए एक्शन मोड में, गौशाला का औचक निरीक्षण

पीलीभीत /बीसलपुर उत्तर भारत में शीत लहर और लगातार गिरते तापमान के कारण गोवंशों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस बीच, बीसलपुर तहसील प्रशासन ने गोवंशों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए कमर कस ली है। आज बीसलपुर के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नागेंद्र पांडे ने ग्राम कितनापुर स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने गौशाला की साफ–सफाई, चारे की उपलब्धता, पानी की आपूर्ति और ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं की गहन जांच की। गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए बनाए गए विशेष इंतजामों, जैसे कवरिंग, गर्माहट प्रदान करने वाले साधनों और पशुओं के स्वास्थ्य की स्थिति पर भी नजर डाली गई।लापरवाही के संकेत मिलने पर एसडीएम ने गौशाला संचालक और

रखरखाव के लिए लगाए गए देखरेख करने वाले व्यक्तियों को मौके पर ही सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने गौशाला कर्मचारियों से अपील की कि वे गौशाला की स्वच्छता और रखरखाव पर पूरा ध्यान दें तथा गोवंशों की दैनिक देखभाल, चारा–पानी और स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दें। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि गोवंशों की सुरक्षा और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खामियां पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।एसडीएम नागेंद्र पांडे ने बताया कि शीतकाल में गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। सभी गौशालाओं में नियमित निरीक्षण कराया जाएगा ताकि पशुओं को पर्याप्त चारा, पानी और आश्रय उपलब्ध हो। उन्हों यह निरीक्षण पीलीभीत जिले में चल रहे शीत लहर प्रबंधन अभियान का हिस्सा है, जिसमें प्रशासन पशु कल्याण को प्राथमिकता दे रहा है।

प्रशासन की मिलीभगत से सीज जमीन पर खुलेआम खेती, IGRS शिकायत के बाद भी कार्रवाई शून्य।

(जीएनएस)।

करछना तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है। तहसील प्रशासन द्वारा सीज की गई भूमि पर अवैध रूप से खेती की जा रही है, जबकि इस संबंध में क्क्र्यूर पोर्टल पर कई बार शिकायत की गई शिकायत 40017522134121, 40017520081777,40017525080 895 भी दर्ज कराई जा चुकी है, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

जानकारी के अनुसार, संबंधित भूमि को प्रशासन द्वारा पूर्व में सीज किया गया था, लेकिन स्थानीय दबंगों द्वारा फसल बोकर खेती की जा रही है। इससे न केवल प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना हो रही है, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इसकी जानकारी तहसीलदार, एस डी एम और डी एम महोदय को अवगत कराया गया है।

शिकायतकर्ता महेश सिंह पुत्र राजबहादुर ग्राम बबुरा परगना अरेल करछना प्रयागराज का आरोप है कि क्क्र्यूर पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर निरीक्षण तक नहीं कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि या तो शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा, या फिर मिलीभगत के चलते कार्रवाई टाली जा रही है।

स्थानीय लोगों में इसको लेकर रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि यदि सीज जमीन पर खुलेआम खेती होती रही और प्रशासन मौन रहा, तो आम जनता

का कानून से भरोसा उठ जाएगा।

अब देखना यह है कि खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर सीज भूमि को कब्जा मुक्त कराता है और दोषियों पर कार्रवाई होती है।

पीड़ित ने भारतीय किसान यूनियन (भानु) की ली शरण लगाई न्याय की गुहार

(जीएनएस)।

पीलीभीत जनपद की बीसलपुर तहसील प्रशासनिक कमजोरी और भ्रष्टाचार की मिसाल बन चुकी है। गांव कनपरी में सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को रोकने में तहसील प्रशासन पूरी तरह घुटनों के बल बैठा नजर आ रहा है। कानून और नियमों की धज्जियां उड़ती रहीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी दबंगों के आगे नतमस्तक बने रहे।जब पीड़ित ग्रामीण ने तहसील प्रशासन से अवैध निर्माण रुकवाने की गुहार लगाई, तो उन्हें केवल झूठे आश्वासन, टालमटोल और चुप्पी के अलावा कुछ नहीं मिला। प्रशासन की इसी निष्क्रियता और पक्षपातपूर्ण रवैये से आहत होकर पीड़ित आखिरकार भारतीय किसान यूनियन (भानु) की शरण में पहुंचा, जहां से अब न्याय के लिए आक्रामक तेवर अपनाए गए हैं।किसान यूनियन (भानु) ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि।अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से नहीं रोका गया,और दोषी लेखपाल व संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई,और सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त नहीं कराया गया,तो तहसील मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक जोरदार आंदोलन, धरना और घेराव किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।अब सवाल सीधा है —क्या बीसलपुर तहसील प्रशासन कानून के साथ खड़ा होगा?या फिर दबंगों और भ्रष्टाचार के सामने यूं ही नतमस्तक बना रहेगा?

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अंतर्राष्ट्रीय कानून की अवहेलना करते ट्रंप

काला धब्बा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयार्व टाइम्स को दिए अपने एक इंटरव्यू में यह तो स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें किसी भी अंतर्राष्ट्रीय कानून की कोईं परवाह नहीं है, वह वही करते हैं जो उनके मस्तिष्क को सही लगता है। लेकिन अमेरिकी सीनेट ने अपने फैसले से यह साबित कर दिया कि उन्हें ट्रंप की निरंवुशता बर्दाश्त नहीं। दरअसल वेनेजुएला पर हमला करके वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करके न्यूयार्व लाने के बाद ट्रंप के खिलाफ पूरी दुनिया में न सिर्प नाराजगी थी बल्कि उन्हें सत्ता के नशे में डूबे एक निरंवुश नेता कहा जाने लगा था। लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि अमेरिका के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ आवाज उठी और पाटा लाइन से ऊपर उठकर सीनेट में एक प्रास्ताव लाया गया कि बिना कांग्रोस की अनुमति के राष्ट्रपति किसी भी देश के खिलाफ घातक हमले नहीं कर सकते। इस प्रास्ताव के पक्ष में 52 सेनेटर और विपक्ष में 47 मत पड़े। सबसे बड़ी बात तो यह है कि जिस वक्त वोटिग हो रही थी पीठासीन अधिकारी स्वयं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे। अपर हाउस के राजनीतिक समीकरण में दोनों ही पार्टियों यानि रिपब्लिकन और डेमोव्रेट के सदस्यों ने मिलकर प्रास्ताव के पक्ष में वोट किया मतलब यह कि जिन सदस्यों ने ट्रंप के हाथ बांधने के उद्देश्य से यह प्रास्ताव लाया उनमें भी दोनों ही पार्टियों के सदस्य शामिल थे और वोटिग की प्राव्रिया जिन सदस्यों ने ट्रंप का विरोध करने के लिए प्रास्ताव के समर्थन में वोट दिया, उसमें भी दोनों पार्टियों के सदस्य शामिल हुए। इससे एक बात तो स्पष्ट हो गईं कि राष्ट्रपति ट्रंप को तो अपने देश में ही अपनी निरंवुश प्रावृत्ति का विरोध करना पड़ रहा है। इससे भी बड़ी बात तो यह है कि रिपब्लिकन पाटा में भी उनका समर्थन आंख मूंदकर करने वाले नहीं हैं। लेकिन मजे की बात तो यह है कि सबसे पुराने लोकतंत्र और मजबूत संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए अपनी पीठ थपथपाने वाले अमेरिकी ढिंढरची बुद्धिजीवियों को अभी उन 47 सेनेटरों पर शर्म नहीं आईं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को लगातार अंगूठा दिखाने वाले एक सनकी एवं धूर्त राष्ट्रपति का समर्थनं किया है। भला ये 47 सदस्य वैसी दुनिया की परिकल्पना करते हैं! क्या उन्हें ऐसा अमेरिका चाहिए जो अपनी मजा के मुताबिक जहां चाहे वहां हमला करके मानवता को तबाह कर दे! आज अमेरिका अकेला वह देश नहीं रह गया है जो परमाणु बम के शक्ति और डालर की समृद्धि के नशे में छींक दे तो पूरी दुनिया अपना बुखार नापने लगती थी। आज स्थिति बदल गईं है। वारसा पैक्ट जो सोवियत संघ के रक्षा सहयोगी देश थे, या तो वे नाटो (नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गनाइजेशन) के सदस्य बन गए अथवा बिल्वुल शांत बैठ गए। शीत युद्ध के दौरान नाटो अमेरिका के नेतृत्व में वारसा पैक्ट के देशों की आर्थिक कमर तोड़ने की कोशिश में तो रहता ही था, यदा-कदा हल्की झड़प भी हो जाती थी तो अमेरिका और सोवियत संघ के राष्ट्रपति आपस में बात करके सुलझा लिया करते थे। आज दुनिया की हकीकत बदल चुकी है क्योंकि नाटो के देश ही अमेरिका की इच्छाओं का अन्धानुशरण करने को तैयार नहीं हैं। रही बात डालर के एकाधिकार की तो अब उसे भी विश्व बाजार में गंभीर चुनौतियां मिलना शुरू हो गईं हैं। बहरहाल वास्तविकता तो यह है कि ट्रंप एक तरफ तो विश्व शांति के लिए अपने योगदान का दावा करके नोबेल पीस प्राइज हथियाना चाहते हैं जबकि दूसरी तरफ दूसरे देश के ऊपर हमला करके उसकी संप्राभुता को समाप्त करना चाहते हैं। वेनेजुएला के निर्वाचित एवं लोकप्रिय नेता को गिरफ्तार करने का अधिकार किसी विश्व संगठन ने तो दिया नहीं, फिर निरंवुशता के इस चरित्र वाले व्यक्ति को धूर्त के अलावा और क्या कहा जाए जो एक ही जुबान से नोबेल पीस प्राइज झूठे दावों के आधार पर मांग रहा हो और दूसरी तरफ ग्रीनलैंड को दबोचने के लिए तैयार बैठा हो और उसी जुबान से दावा कर रहा हो कि ऐसा करना जरूरी है अन्यथा उस पर रूस और चीन कब्जा कर लेंगे। धन्य हैं वे 47 सेनेटर भी जिन्होंने ऐसे निरंवुश और धूर्त चरित्र के राष्ट्रपति का समर्थन किया।

विजय त्रिवेदी की नई पुस्तक में अटल बिहारी वाजपेयी के विचार, व्यक्तित्व और राजनीतिक विरासत का जीवंत व प्रभावशाली चित्रण

प्रकाशन विभाग ने नई संस्कृत-हिंदी पत्रिका 'हिन्दी संगमनीप्रभा' का किया लोकार्पण

(जीएनएस)।

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के बहुआयामी व्यक्तित्व, विचारधारा और राजनीतिक जीवन को केंद्र में रखकर वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक श्री विजय त्रिवेदी की नवीन पुस्तक का आज औपचारिक विमोचन किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रनिर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए पुस्तक को उनके जीवन और कार्यों का एक प्रेरक दस्तावेज बताया। समारोह में लेखक विजय त्रिवेदी के लेखन की सराहना करते हुए कहा गया यह पुस्तक नई पीढ़ी को अटल जी के विचारों, मूल्यों और नेतृत्व से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक में अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और कार्यों को 12 अध्यायों में रोचक, तथ्यपरक और संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें उनके प्रारम्भिक जीवन से लेकर एक स्वयंसेवक से राष्ट्रीय नेता बनने की यात्रा, कारगिल युद्ध, परमाणु परीक्षण, आर्थिक उदारीकरण, नई टेलीकॉम नीति में उनकी भूमिका, आपातकाल का दौर, पाकिस्तान से मैत्री की पहल, भाषा-प्रेम और कवि-मन की अभिव्यक्ति, राजनीति से संन्यास तथा महाप्रयाण तक के सभी प्रमुख पड़ावों का विस्तृत वर्णन किया गया है।

लेखक ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व, विचारधारा और नेतृत्व क्षमता को सरल, सहज और प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया है, जिससे पाठक राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

पत्रकारिता के लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ श्री विजय त्रिवेदी

टेलीविजन और साहित्य जगत का जाना-पहचाना नाम हैं। वे इससे पूर्व अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित ह्यहार नहीं मानूँगाह्न, ह्ययदा यदा ही योगीह्न, ह्यबीजेपीः कल, आज और कलह्न तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों की यात्रा पर केंद्रित ह्यसंघम् शरणं गच्छामिह्न जैसी चर्चित पुस्तकों के लेखक रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रकाशन विभाग की नई संस्कृत- हिन्दी द्विभाषी पत्रिका ह्यसंगमनीप्रभाह्न के प्रथम अंक का भी लोकार्पण किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. ओम नाथ बिमली ने पत्रिका का लोकार्पण किया।

ह्यसंगमनीप्रभाह्न प्रकाशन विभाग की पहली त्रैमासिक द्विभाषी पत्रिका है। पत्रिका में प्रकाशित मूल सामग्री संस्कृत भाषा में होगी, जबकि हिन्दी भाषी पाठकों के लिए प्रत्येक पृष्ठ पर संस्कृत सामग्री का हिन्दी अनुवाद भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अनूठे प्रयास का उद्देश्य संस्कृत वाङ्मय की अमूल्य ज्ञान-परंपरा से नई पीढ़ी के पाठकों को परिचित कराना और उन्हें संस्कृत भाषा से जोड़ना है। पत्रिका का मूल्य 25 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि इसकी वार्षिक सदस्यता 100 रुपये में उपलब्ध होगी।

पत्रिका के प्रथम अंक की सराहना करते हुए प्रो. बिमली ने कहा कि विषय-वस्तु और डिजाइन के स्तर पर यह पत्रिका प्रकाशन विभाग के उत्कृष्ट प्रकाशनों की शृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रकाशन विभाग विविध विषयों पर श्रेष्ठ पुस्तकों के साथ-साथ योजना, कुरुक्षेत्र, बाल भारती और आजकल जैसी प्रतिष्ठित मासिक पत्रिकाओं तथा इम्प्लॉयमेंट न्यूज के प्रकाशन के लिए जाना जाता है। अब त्रैमासिक ह्यसंगमनीप्रभाह्न के प्रकाशन के साथ विभाग की पहचान और सशक्त होगी।

इस अवसर पर पुस्तक के लेखक श्री विजय त्रिवेदी, प्रकाशन विभाग के प्रधान महानिदेशक श्री भूपेन्द्र कैन्थोला सहित अनेक प्रतिष्ठित लेखक, साहित्यकार एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सोमनाथ के पत्थरों में वीरता की गूंज, शिलालेखों में सनातन संस्कृति की झलक

भद्रकाली मंदिर के शिलालेख सोमनाथ की ऐतिहासिक घटनाओं और इसके पुनरुद्धार में कुमारपाल की भूमिका का क्रम में विवरण वर्णन करते हैं

प्रभास पाटन के पुरातात्विक प्रमाण और सोलंकी-युग की वास्तुकला एक मूल्यवान विरासत के रूप में खड़ी है

प्रभास पाटन संग्रहालय सोमनाथ के इतिहास को दर्शाने वाले शिलालेखों और अवशेषों को संरक्षित करता है

(जीएनएस)।

प्रभास पाटन तांबे की प्लेटों, शिलालेखों और स्मारक पत्थरों के साथ एक समृद्ध और पवित्र अतीत को संजोए हुए है, जिनमें इसकी समृद्धि, विरासत और वीरता की स्थायी भावना की झलक मिलती है।

प्रभास पाटन और सोमनाथ मंदिर के इतिहास को बताने वाले शिलालेख और असली अवशेष पूरे प्रभास क्षेत्र में मिलते हैं। शिलालेख, तांबे की प्लेटें और हमलों के दौरान नष्ट हुए मंदिर के अवशेष वीरता, शक्ति और भक्ति के प्रतीक के रूप में प्रभास पाटन म्यूज़ियम में रखे गए हैं। यह म्यूज़ियम अभी प्रभास पाटन के पुराने सूर्य मंदिर में चल रहा है।

ऐसा ही एक शिलालेख प्रभास पाटन में म्यूज़ियम के पास, भद्रकाली गली में पुराने राम मंदिर के बगल में स्थित है। सोमपुरा ब्राह्मण दीपकभाई दवे के घर पर संरक्षित, यह उनके आंगन में प्राचीन भद्रकाली मंदिर की दीवार में लगा हुआ है।

प्रभास पाटन म्यूज़ियम के क्यूरेटर (म्यूज़ियम हेड) श्री तेजल परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिलालेख, जो 1169 ईस्वी (वल्लभी संवत 850 और विक्रम संवत 1255) में बनाया गया था और अभी राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित है, अन्हिलवाड़ पाटन के महाराजाधिराज कुमारपाल के आध्यात्मिक गुरु परम पशुपत आचार्य श्रीमान भावबृहस्पति की प्रशंसा में लिखा गया शिलालेख है। यह शिलालेख सोमनाथ मंदिर के प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास को दर्ज करता है। इसमें चारों युगों में सोमनाथ महादेव के निर्माण का उल्लेख है। इसके अनुसार, सत्य युग में चंद्र (सोम) ने इसे सोने का बनवाया था; त्रेता युग में रावण ने इसे चांदी का बनवाया था; द्वापर युग में श्री कृष्ण ने इसे लकड़ी का बनवाया था; और कलयुग में राजा भीमदेव सोलंकी ने एक सुंदर कलात्मक पत्थर का मंदिर बनवाया था।

इतिहास इस बात की पुष्टि करता है कि भीमदेव सोलंकी ने पूर्व के अवशेषों पर चौथा मंदिर बनवाया था, जिसके बाद 1169 ईस्वी में कुमारपाल ने उसी जगह पर पाँचवाँ मंदिर बनवाया। सोलंकी शासन के तहत, प्रभास पाटन धर्म, वास्तुकला और साहित्य का एक प्रमुख केन्द्र बन गया, जबकि सिद्धराज जयसिंह के न्याय और कुमारपाल की भक्ति ने सोमनाथ को गुजरात के स्वर्ण युग के गौरवशाली प्रतीक के रूप में स्थापित किया।

प्रभास पाटन की पवित्र भूमि में न केवल खंडहर हैं, बल्कि सनातन धर्म का आध्यात्मिक गौरव भी है। ऐतिहासिक भद्रकाली शिलालेख सोलंकी शासकों और भवबृहस्पति जैसे विद्वानों की भक्ति को दर्शाता है। कला, वास्तुकला और साहित्य की अपनी समृद्ध विरासत के माध्यम से, यह भूमि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है, जबकि प्रभास की विरासत और सोमनाथ का स्थायी शिखर इस बात की पुष्टि करते हैं कि भक्ति और आत्म-सम्मान कालातीत हैं।

इंदौर-मुंबई की उड़ान अब और आसानः 15 जनवरी से स्टार एयर शुरू करेगी नई फ्लाइट, हफ्ते में 5 दिन सेवा

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर और देश की वित्तीय राजधानी मुंबई के बीच यात्रा करने वालों के लिए अब एक और शानदार विकल्प तैयार है। स्टार एयर ने घोषणा कर दी है कि 15 जनवरी 2026 से इंदौर से मुंबई के लिए नई डायरेक्ट फ्लाइट शुरू की जा रही है। यह फ्लाइट हफ्ते में 5 दिन (सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार) संचालित होगी। नए साल की शुरूआत में यह खबर यात्रियों, व्यापारियों और छात्रों के लिए बड़ी खुशखबरी है।

स्टार एयर ने इस फ्लाइट को अळफ-72 सीरीज के 72 सीटर विमान से संचालित करने की योजना बनाई है। यह सेवा इंदौर के देवी अहिल्या बाई होलकर एयरपोर्ट से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक चलेगी।फ्लाइट का समय और टिकट बुकिंग की डिटेल जल्द ही आधिकारिक तौर पर जारी की जाएगी।

फ्लाइट का महत्वः इंदौर-मुंबई कनेक्टिविटी में नया अध्याय

इंदौर से मुंबई की मौजूदा उड़ानें मुख्य रूप से इंडिगो और एयर इंडिया द्वारा संचालित हैं, लेकिन सीटें जल्दी फुल हो जाती हैं और किराए भी काफी ऊंचे रहते हैं। स्टार एयर की नई फ्लाइट से यात्रियों कोः

सस्ते विकल्प मिलेंगे

ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी (हफ्ते में 5 दिन)

छोटे विमान होने से छोटे शहरों के यात्रियों के लिए सुविधा

व्यापार, शिक्षा और मेडिकल यात्रा में आसानी

इंदौर एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि इस फ्लाइट से इंदौर-मुंबई रूट पर सीट क्षमता में करीब 30% की बढ़ोतरी होगी।

फ्लाइट का समय और किरायाः अभी क्या पता है

स्टार एयर ने अभी फिक्स टाइम-टेबल जारी नहीं किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसारः

संभावित समयः इंदौर से मुंबई सुबह 7-8 बजे, वापसी शाम 5-6 बजे

फ्लाइट नंबरः अभी घोषित नहीं

किरायाः शुरूआती ऑफर में 4,500 से 7,000 रुपये (एक तरफ) रहने की उम्मीद

टिकट बुकिंगः स्टार एयर वेबसाइट, ऐप और ट्रैवल एजेंट्स पर जल्द उपलब्ध

कंपनी ने कहा है कि टिकट बुकिंग 1-2 दिनों में शुरू हो जाएगी।

यात्रियों की खुशीः "अब मुंबई जाना आसान"

इंदौर के व्यापारी राजेश अग्रवाल ने कहा, "मुंबई जाना पड़ता है तो पहले दिन-रात ट्रेन में बीत जाते थे। अब सुबह जाएं, शाम को वापस आ जाएं - यह बहुत बड़ा राहत है।" एक छात्रा ने बताया, "मुंबई में पढ़ाई के लिए बार-बार जाना पड़ता है। अब सस्ती और ज्यादा फ्लाइट्स मिलेंगी।"

स्टार एयर का विस्तारः टढ में बढ़ती मौजूदगी

स्टार एयर पिछले कुछ सालों में टढ में तेजी से विस्तार कर रही है। पहले भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर से कई रूट शुरू किए। अब इंदौर-मुंबई रूट से कंपनी की कनेक्टिविटी और मजबूत हो जाएगी। कंपनी का कहना है कि छोटे शहरों को बड़े शहरों से जोड़ना उनका मकसद है।

राजनीतिक-सामाजिक असरः यात्रा सुविधा पर फोकस

इस नई फ्लाइट से इंदौर के व्यापार, पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलेगा। भाजपा सरकार इसे "कनेक्टिविटी क्रांति" बता रही है। विपक्ष कांग्रेस ने कहा, "अच्छा कदम, लेकिन किराए सस्ते रखें।"

15 जनवरी से आसान सफर

15 जनवरी से स्टार एयर की नई फ्लाइट इंदौर-मुंबई यात्रा को और आसान बनाएगी। हफ्ते में 5 दिन, सस्ते किराए और ज्यादा विकल्प - यात्रियों के लिए बड़ा तोहफा। टिकट बुकिंग शुरू होते ही बुकिंग शुरू कर दें।

भारत का ऊर्जा रूपांतरण 'वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के सिद्धांत पर आधारित हैः केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में 16वीं आईआरईएनए असेंबली के पूर्ण सत्र को संबोधित किया

मजबूत नीतियां और पारदर्शी बाजार भारत को स्वच्छ ऊर्जा निवेश के लिए एक प्रमुख देश बनाते हैं: केंद्रीय मंत्री श्री जोशी

ऊर्जा रूपांतरण को समानता और समावेशन पर आधारित एक जन आंदोलन बनना चाहिएः केन्द्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी

भारत ने 16वीं आईआरईएनए असेंबली में नवीकरणीय ऊर्जा रूपांतरण के लिए मजबूत बहुपक्षीय सहयोग का आह्वान किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने आज संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) की 16वीं असेंबली में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया, जिसमें एक न्यायसंगत, समान, किफायती और टिकाऊ वैश्विक ऊर्जा रूपांतरण के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

असेंबली को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऊर्जा रूपांतरण को लेकर भारत का दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के सिद्धांत और समानता, समावेशिता व नीतिगत स्थिरता पर आधारित एक दीर्घकालिक विजन के बारे में बताता है। उन्होंने 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

एक बड़ी उपलब्धि पर जोर देते हुए, श्री जोशी ने बताया कि भारत ने पेरिस समझौते के तहत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्य से पांच साल पहले ही 2025 में गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल कर लिया है। भारत की

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 266 गीगावॉट से अधिक हो गई है, जिससे देश नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख ऊर्जा बाजारों में से एक के रूप में, भारत ऊर्जा भंडारण समाधानों को तेजी से लागू करके, ग्रिड आधुनिकीकरण, ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के विकास और हाइब्रिड व चौबीसों घंटे चलने वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं जैसे अभिनव बिडिंग तरीकों के जरिए भरोसेमंद और मजबूत पावर सिस्टम को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और सौर, पवन, बैटरी और इलेक्ट्रोलाइजर के क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने के भारत के प्रयासों पर भी जोर दिया, जो राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और विभिन्न वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं दोनों में योगदान दे रहा है।

भारत के ऊर्जा रूपांतरण के लोगों पर केंद्रित होने पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने घरों और किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों का उल्लेख किया। पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत, दो साल से भी कम समय में लगभग 2.5 मिलियन घरों को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन से फायदा हुआ है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 10 मिलियन घरों को कवर करना है। पीएम-कुसुम योजना के तहत, लगभग 2.17 मिलियन किसानों को डीजल पंपों को बदलने और कृषि फीडरों के सौरकरण से लाभ हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा रूपांतरण के लिए बहुत अधिक निवेश और सहयोग की आवश्यकता होगी। अकेले भारत को 2030 तक लगभग 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होने की उम्मीद है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रिड और विनिर्माण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि मजबूत नीतियों और पारदर्शी बाजारों के साथ, भारत स्वच्छ ऊर्जा निवेश के लिए सबसे आकर्षक देशों में से एक बना हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान करते हुए, श्री जोशी ने विशेष रूप से विकासशील देशों को विकास की आकांक्षाओं से समझौता किए बिना नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लो कॉस्ट फाइनेंस तक पहुंच, क्षमता निर्माण और मानकों के सामंजस्य के महत्व पर जोर दिया।

आईआरईएनए के लिए भारत के मजबूत समर्थन को दोहराते हुए, उन्होंने कहा कि भारत अपने अनुभव, संस्थानों व तकनीकी विशेषज्ञता को साझा करने और सभी सदस्य देशों, खासकर सबसे अल्प विकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, ताकि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा रूपांतरण को गति दी जा सके। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का ऊर्जा रूपांतरण सिर्फ. क्षमता बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों, अवसरों और एक साझे टिकाऊ भविष्य के बारे में भी है।

इससे पहले, केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने भी असेंबली के दौरान "ऊर्जा भविष्य की पुनर्कल्पनाः साझी समृद्धि के लिए साहसिक दृष्टिकोण" पर उच्च-स्तरीय संवाद में भाग लिया। उन्होंने सभी के लिए साझी समृद्धि के उद्देश्य से, वित्त, तकनीक और शासन पर मजबूत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से प्रेरित, जन-केंद्रित ऊर्जा रूपांतरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बात पर जोर देते हुए कि ऊर्जा रूपांतरण को समानता और समावेशन से प्रेरित एक जन आंदोलन बनना चाहिए, मंत्री महोदय ने कहा कि भारत ने 2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने डोमिनिकन रिपब्लिक को अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) की अध्यक्षता के लिए बधाई दी तथा वाइस प्रेसिडेंट केन्या, सोलोमन आइलैंड्स, स्पेन और एंटीगुआ और बारबुडा को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका नेतृत्व बहुपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेगा तथा एक टिकाऊ और समावेशी वैश्विक ऊर्जा रूपांतरण को आगे बढ़ाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने जलवायु कार्रवाई, स्वच्छ ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर भारत-यूएई सहयोग को और मजबूत करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात की जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण मंत्री डॉ. आमना बिन्त अब्दुल्ला अल दहक के साथ भी बैठक की। बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, निवेश और नवाचार में बढ़ती साझेदारी की समीक्षा की, जो 2014 और 2024 के बीच हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर आधारित है और यूएई के नेट जीरो 2050 लक्ष्य के साथ जुड़ी हुई है। चर्चा में नवीकरणीय ऊर्जा, विकेन्द्रीकृत ऊर्जा समाधान, विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, प्रौद्योगिकी सहयोग और ब्लेन्डेड फाइनेंस में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, सुदृढ़ता और दीर्घकालिक स्थिरता बढ़ाने के लिए जन-केंद्रित, बड़े पैमाने पर लागू होने वाली पहलों पर जोर दिया गया।

आईआरईएनए के बारे में

अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) एक अंतर-सरकारी संगठन है जो देशों को संधारणीय ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करती है, और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए प्रमुख मंच, एक उत्कृष्टता केंद्र, और नवीकरणीय ऊर्जा पर नीति, प्रौद्योगिकी, संसाधन और वित्तीय जानकारी का भंडार है। अभी, आईआरईएनए के 170 सदस्य हैं (169 देश और यूरोपियन यूनियन) और 14 देश इसमें शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। भारत भी आईआरईएनए के संस्थापक सदस्यों में से एक है।

आईआरईएनए असेंबली का 16वां सत्र और उससे जुड़ी बैठकें 10 से 12 जनवरी 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में हो रही हैं। असेंबली के सत्र का मुख्य विषय "मानवता को सशक्त बनानाः साझी समृद्धि के लिए नवीकरणीय ऊर्जा" होगा। असेंबली के सत्र में वैश्विक नेता और ऊर्जा के क्षेत्र में फैसले लेने वाले लोग एकत्रित होंगे, जो देशों, क्षेत्रों और पूरी दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करेंगे और आवश्यक कदमों पर जोर देंगे, जिससे आर्थिक समावेशन, समानता और मानव कल्याण को बढ़ावा मिलेगा।

विकसित उत्तर प्रदेश : गांव से तैयार होंगे एक करोड़ उद्यमी

सीएम योगी के विजन के अनुरूप अगले 5 वर्षों में 15 लाख उद्यम स्थापित करने का प्लान

योगी सरकार के प्रयास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार

प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से कम से कम एक सदस्य या समूह को उद्यम स्थापित करने के लिए मिलेगा प्रोत्साहन

लखनऊ, 11 जनवरी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन के तहत उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और उद्यमशील राज्य बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। आगामी पांच वर्षों में प्रदेश में 15 लाख नए उद्यम स्थापित किए जाने का प्लान बनाया गया है। इसी के साथ आगामी वर्षों में गांवों से एक करोड़ उद्यमी तैयार करने की योजना है। इस महाअभियान का आधार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठप्छट) बनेगा, जिसके जरिए स्वयं सहायता समूहों को उद्यमिता से जोड़ा जाएगा। सीएम योगी के विजन से आत्मनिर्भर गांव, सशक्त उद्यमी और विकसित उत्तर प्रदेश का सपना साकार होता दिख रहा है। सीमित संसाधनों से सफल हो रही उद्यमियों से प्रदेश की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

गांव-गांव सृजित होंगे रोजगार और आय के नए अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से कम से कम एक सदस्य या समूह को उद्यम के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। कृषि आजीविका के साथ-साथ गैर-कृषि आजीविका क्षेत्रों में संचालित गतिविधियों का विस्तार हर स्वयं सहायता समूह स्तर तक किया जाएगा, जिससे गांव-गांव रोजगार और आय के नए अवसर सृजित होंगे।

आत्मनिर्भर बनने का संकल्प

प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं जो सीमित आय और बढ़ती पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेकर उसे साकार भी कर रही हैं। प्रदेश की ऐसी 14 लखपति दीदियों को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का भी मौका मिलने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश ने रखी मेडिकल क्षेत्र में एआई की मजबूत नींव

– योगी सरकार प्रदेश को एआई के क्षेत्र में मॉडल स्टेट के रूप में विकसित करने की दिशा में कर रही काम

– सीएम योगी का विजन, एआई का स्वास्थ्य क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग, देश के दूसरे प्रदेश भी ले सकें सीख

– प्रदेश में एआई के इस्तेमाल से शोध संस्थानों, तकनीकी कंपनियों और डोनर एजेंसियों के बीच सहयोग से नवाचार को मिल रही गति

– तकनीक का उपयोग आमजन तक बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना योगी सरकार का उद्देश्य

लखनऊ, 11 जनवरी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट नीति और दूरदर्शी सोच से देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। करीब 24 करोड़ जनसंख्या, विशाल ग्रामीण क्षेत्र और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से लेकर गैर-संचारी रोगों तक फैली चुनौतियों के बीच प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को तकनीक सक्षम और भविष्य के अनुरूप बनाया जा रहा है। यही वजह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सशक्त सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है, जो निर्णय लेने, रोग की पहचान और उपचार की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

योगी सरकार ने अपने प्रयासों से देश-दुनिया को दिखा दिया है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के समर्पण से एआई स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बना सकता है। वहीं आने वाले समय में समान पहुंच और अन्य राज्यों के बीच समन्वय से आने वाले वर्षों में प्रदेश न केवल देश, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एआई आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य नवाचार का उदाहरण बन जाएगा।

यूपी में है एआई आधारित स्वास्थ्य सामधानों को जमीन पर उतारने की सबसे अधिक क्षमता

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष के अनुसार सीएम योगी का स्पष्ट विजन है कि तकनीक का उपयोग आमजन तक बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए किया जाए। ऐसे में पिछले पौने नौ वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी प्राथमिकता दी गयी है। इसी परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां एआई आधारित स्वास्थ्य समाधानों को जमीन पर उतारने की सबसे अधिक संभावनाएं मौजूद हैं। प्रदेश में करीब 10 लाख फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर, आशा, एएनएम, नर्स और डॉक्टर ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बने हुए हैं। इनके कामों को आसान और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश में कई बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म सक्रिय हैं। इनमें हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (ल्टक्र),रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ (फ्छ्ल)पोर्टल, निक्षय पोर्टल (टीबी नियंत्रण के लिए) और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म आज केवल डाटा संग्रह तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नीति निर्माण, निगरानी और त्वरित निर्णय में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यही डाटा एआई आधारित समाधानों के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

उत्तर प्रदेश बना पूरे देश में सबसे अधिक टेलीकंसल्टेशन देने वाला राज्य

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को स्वास्थ्य सुधार का केंद्रीय स्तंभ बनाया है। ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीमेडिसिन नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है। आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे अधिक टेलीकंसल्टेशन देने वाला राज्य बन चुका है। यही नेटवर्क अब एआई आधारित क्लिनिकल निर्णय को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में एआई आधारित क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (उऊर)प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और टेलीमेडिसिन सेवाओं में डॉक्टरों को इलाज के निर्णय लेने में मदद कर रहा है। यह सिस्टम मरीज के लक्षण, पूर्व इतिहास और उपलब्ध डाटा के आधार पर इलाज के विभिन्न विकल्प बताता है। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है, बल्कि अधिक मरीजों वाले अस्पतालों में डॉक्टरों पर पड़ने वाला दबाव भी कम हो रहा है। सीएम योगी का मानना है कि एआई डॉक्टर की जगह नहीं ले सकता, बल्कि उसे और सशक्त बनाता है। इसी सोच के तहत प्रदेश में एआई को सहायक उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।

एआई से टीबी वाले इलाकों और मरीजों के समूह की हो रही पहचान

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की महानिदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि प्रदेश में टीबी से पीड़ित मरीजों की संख्या ठीक ठाक है। ऐसे में इसे देखते हुए योगी सरकार ने टीबी उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। निक्षय पोर्टल के साथ एआई आधारित विश्लेषणात्मक टूल्स को जोड़कर उन इलाकों और मरीज समूहों की पहचान की जा रही है, जहां जोखिम अधिक है। मैपिंग और प्रारंभिक चेतावनी डॉक्टर्स को यह अनुमान लगाने में मदद कर रही है कि कहां अतिरिक्त संसाधनों और गहन निगरानी की आवश्यकता है। इससे केस सामने आने से पहले ही पहचान संभव हो रही है, जो सीएम योगी के रोकथाम ही सबसे बेहतर इलाज के विजन को मजबूती देती है। इसी के साथ योगी सरकार का मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। एआई आधारित उपकरण उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान, समय पर रेफरल और नवजात देखभाल में मदद कर रहे हैं। वहीं, फ्रंटलाइन वर्कर्स को सरल डिजिटल संकेत मिलते हैं, जिससे वे समय रहते आवश्यक कदम उठा रहीं हैं।

प्रदेश में अपनाया जा रहा एआई मॉडल पूरी तरह मानव केंद्रित

प्रदेश में गैर-संचारी रोग, विशेषकर डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मामले बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठ्रूटर-5)के अनुसार देश में लगभग 6.5 प्रतिशत व्यस्क मधुमेह से ग्रस्त हैं। प्रदेश में एआई सामुदायिक स्तर पर स्क्रीनिंग और शुरूआती पहचान को सशक्त बना रहा है। डायबिटिक रेटिनोपैथी की पहचान के लिए रेटिनल इमेज विश्लेषण जैसे पायलट प्रोजेक्ट्स ने यह दिखाया है कि एआई से स्क्रीनिंग की पहुंच बढ़ाई जा सकती है और रेफरल सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

सोमनाथ के पत्थरों में वीरता की गूंज, शिलालेखों में सनातन संस्कृति की झलक

भद्रकाली मंदिर के शिलालेख सोमनाथ की ऐतिहासिक घटनाओं और इसके पुनरुद्धार में कुमारपाल की भूमिका का क्रम में विवरण वर्णन करते हैं

प्रभास पाटन के पुरातात्विक प्रमाण और सोलंकी-युग की वास्तुकला एक मूल्यवान विरासत के रूप में खड़ी है

प्रभास पाटन संग्रहालय सोमनाथ के इतिहास को दशार्ने वाले शिलालेखों और अवशेषों को संरक्षित करता है

(जीएनएस)। सोमनाथ

प्रभास पाटन तांबे की प्लेटों, शिलालेखों और स्मारक पत्थरों के साथ एक समृद्ध और पवित्र अतीत को संजोए हुए है, जिनमें इसकी समृद्धि, विरासत और वीरता की स्थायी भावना की झलक मिलती है।

प्रभास पाटन और सोमनाथ मंदिर के इतिहास को बताने वाले शिलालेख और असली अवशेष पूरे प्रभास क्षेत्र में मिलते हैं। शिलालेख, तांबे की प्लेटें और हमलों के दौरान नष्ट हुए मंदिर के अवशेष वीरता, शक्ति और भक्ति के प्रतीक के रूप में प्रभास पाटन म्यूज़ियम में रखे गए हैं। यह म्यूज़ियम अभी प्रभास पाटन के पुराने सूर्य मंदिर में चल रहा है।

ऐसा ही एक शिलालेख प्रभास पाटन में म्यूज़ियम के पास, भद्रकाली गली में पुराने राम मंदिर के बगल में स्थित है। सोमपुरा ब्राह्मण दीपकभाई दवे के घर पर संरक्षित, यह उनके आंगन में प्राचीन भद्रकाली मंदिर की दीवार में लगा हुआ है।

प्रभास पाटन म्यूज़ियम के क्यूरेटर (म्यूज़ियम हेड) श्री तेजल परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिलालेख, जो 1169 ईस्वी (वल्लभी संवत 850 और विक्रम संवत 1255) में बनाया गया था और अभी राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित है, अन्हिलवाड़ पाटन के महाराजाधिराज कुमारपाल के आध्यात्मिक गुरु परम पशुपत आचार्य श्रीमान भावबृहस्पति की प्रशंसा में लिखा गया शिलालेख है। यह शिलालेख सोमनाथ मंदिर के प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास को दर्ज करता है। इसमें चारों युगों में सोमनाथ महादेव के निर्माण का उल्लेख है। इसके अनुसार, सत्य युग में चंद्र (सोम) ने इसे सोने का बनवाया था; त्रेता युग में रावण ने इसे चांदी का बनवाया था; द्वापर युग में श्री कृष्ण ने इसे लकड़ी का बनवाया था; और कलयुग में राजा भीमदेव सोलंकी ने एक सुंदर कलात्मक पत्थर का मंदिर बनवाया था।

इतिहास इस बात की पुष्टि करता है कि भीमदेव सोलंकी ने पूर्व के अवशेषों पर चौथा मंदिर बनवाया था, जिसके बाद 1169 ईस्वी में कुमारपाल ने उसी जगह पर पाँचवाँ मंदिर बनवाया। सोलंकी शासन के तहत, प्रभास पाटन धर्म, वास्तुकला और साहित्य का एक प्रमुख केन्द्र बन गया, जबकि सिद्धराज जयसिंह के न्याय और कुमारपाल की भक्ति ने सोमनाथ को गुजरात के स्वर्ण युग के गौरवशाली प्रतीक के रूप में स्थापित किया।

प्रभास पाटन की पवित्र भूमि में न केवल खंडहर हैं, बल्कि सनातन धर्म का आध्यात्मिक गौरव भी है। ऐतिहासिक भद्रकाली शिलालेख सोलंकी शासकों और भवबृहस्पति जैसे विद्वानों की भक्ति को दर्शाता है। कला, वास्तुकला और साहित्य की अपनी समृद्ध विरासत के माध्यम से, यह भूमि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है, जबकि प्रभास की विरासत और सोमनाथ का स्थायी शिखर इस बात की पुष्टि करते हैं कि भक्ति और आत्म-सम्मान कालातीत हैं।

निजी शिक्षण संस्थानों में पारदर्शी प्रवेश पर ही मिलेगा छात्रवृत्ति का लाभ

पात्र विद्यार्थियों के हित में योगी सरकार का बड़ा कदम

नियमावली-2023 में संशोधन, अब केवल वास्तविक पात्रों को मिलेगा फायदा

मैनेजमेंट कोटा और स्पॉट एडमिशन के दुरुपयोग पर लगेगी सख्त रोक

लखनऊ, 11 जनवरी। पात्र विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का वास्तविक लाभ दिलाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की नियमावली-2023 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। यह संशोधन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों पर भी समान रूप से लागू होंगे। यह योजना समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जा रही है। योगी सरकार का यह कदम निजी शिक्षण संस्थानों की प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ वास्तविक पात्र विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा का प्रभावी प्रयास माना जा रहा है।

योजना के दुरुपयोग पर लगेगी प्रभावी रोक

समाज कल्याण उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि संशोधन का मुख्य उद्देश्य निजी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया को तकनीकी रूप से पारदर्शी एवं स्पष्ट बनाना है, ताकि पात्र विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ मिल सके। इससे मैनेजमेंट कोटा, स्पॉट एडमिशन तथा अन्य गैर-पारदर्शी प्रवेश प्रक्रियाओं के माध्यम से योजना के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी।

अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के लिए नई व्यवस्था

संशोधित नियमों के अनुसार निजी शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक अथवा तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को योजना का लाभ तभी मिलेगा, जब उनका प्रवेश पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया से हुआ हो। इसके तहत संस्थान द्वारा सार्वजनिक विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करना, रैंक सूची तैयार करना, चयन सूची प्रकाशित करना अनिवार्य होगा। साथ ही छात्रों से केवल सक्षम प्राधिकारी अथवा शुल्क नियामक समिति द्वारा अनुमोदित शुल्क ही लिया जाएगा।

सामान्य वर्ग के छात्रों को भी मिलेगा समान लाभ

संशोधित नियमों के तहत सामान्य वर्ग के छात्रों को भी शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ मिलेगा, बशर्ते उनका प्रवेश पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत हुआ हो और उनसे केवल अनुमोदित शुल्क ही वसूला गया हो।

मैनेजमेंट कोटा और स्पॉट एडमिशन पर सख्ती

उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि मैनेजमेंट कोटा, स्पॉट एडमिशन या किसी भी प्रकार की गैर-पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश लेने वाले छात्रों को योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। साथ ही संस्था द्वारा निर्धारित से अधिक फीस वसूलने की स्थिति में भी लाभ देय नहीं होगा।

गजनी जैसे आतताइयों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित : योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ, 11 जनवरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ह्यसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्ल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गजनी जैसे आतताइयों के धूलधूसरित विध्वंस पर आज उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा 'श्री सोमनाथ मंदिर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जीवंत प्रतीक है!

पोस्ट में उन्होंने कहा, 'पिछले एक हजार वर्षों का कालखण्ड इस बात का प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता की अमर शक्ति हर क्षण अडिग रही।'

योगी आदित्यनाथ ने इसी पोस्ट में आगे कहा, 'आज बाबा सोमनाथ का जो भव्य स्वरूप हम देख रहे हैं, वह सरदार वल्लभभाई पटेल की निष्ठा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की आस्था, के.एम. मुंशी जी की जिजीविषा एवं लाखों सनातन धर्मावलंबियों के बलिदान का ही प्रतिफल है।'

मुख्यमंत्री ने मोदी का जिक्र करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ह्यनया भारतह्ल आज ह्यसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्ल के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आतताइयों के धूलधूसरित विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है।'

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'यह पर्व प्रतीक है कि सत्य को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। गौरवशाली सनातन संस्कृति के अभिवर्धन हेतु आपका आभार प्रधानमंत्री जी।'

सोमनाथ (गुजरात) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ह्यशौर्य यात्राह्ल का नेतृत्व किया। यह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक औपचारिक शोभा यात्रा है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है।

मोदी ने वहां आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को संबोधित किया, जो 1026 ईसवी में महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है।

अपर्णा यादव ने सीएम योगी से की मुलाकात, केजीएमयू मामले पर क्या है बीजेपी नेता की नाराजगी

उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर केजीएमयू में हुए धर्मांतरण और बवाल के घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष और बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। अपर्णा यादव की सीएम योगी से यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। क्योंकि आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने केजीएमयू में हुए जोरदार प्रदर्शन के बाद की है। अपर्णा यादव इस पूरे प्रकरण से बेहद नाराज बताई जा रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। वहीं अपर्णा यादव समेत 200 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ तहरीर दी गई है।

यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की सीएम योगी से हुई मुलाकात की फोटो भी सामने आ गई है। अपर्णा यादव ने एक्स पर फोटो पोस्ट कर लिखा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, हम सभी के संरक्षणकर्ता आदरणीय योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। अपर्णा यादव ने कहा कि उनका स्नेह, नेतृत्व और स्पष्ट दृष्टि प्रदेश को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रही है। ऐसे नेतृत्व का मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं योगी आदित्यनाथ ऑफिस की ओर से इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया है। वहीं केजीएमयू में हुए घटनाक्रम के बाद बीजेपी नेता व यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव चचाओं में आ गई है। माना जा रहा है अपर्णा यादव ने सीएम योगी को केजीएमयू धर्मांतरण मामले और शुक्रवार को हुए बवाल के बारे में पूरी विस्तृत जानकारी दी है।

सीएम कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का हो रहा डिजिटलीकरण, किसानों को घर बैठे मिलेगा योजना का लाभ

सीएम कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का पूरी तरह होगा ऑनलाइन संचालन, फरवरी 2026 तक होगी प्रक्रिया पूरी

सीएम कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 2,394 आवेदन हुए स्वीकृत, लखनऊ मण्डल रहा सबसे आगे

लखनऊ, 11 जनवरी। उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में राजस्व परिषद मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। योजना के डिजिटलीकरण की समय सीमा फरवरी 2026 तय की गई है। मुख्य सचिव की बैठक में राजस्व परिषद के अधिकारियों ने बताया कि प्रक्रिया के पूरी होने के बाद योजना के संचालन को पूरी तरह से ऑनलाइन किया जाएगा। जिससे किसान परिवारों को दुर्घटना की स्थिति में आसानी से घर बैठे मुआवजा मिल सके। साथ ही डिजिटलीकरण से योजना का संचालन और अधिक समयबद्ध, प्रभावी और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। बैठक में राजस्व परिषद के अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत दिसंबर 2025 तक लगभग 29,394 किसानों के आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं।

योजना के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया फरवरी 2026 तक होगी पूरी

मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों के मुताबिक राजस्व परिषद योजना का पूरी तरह डिजिटलीकरण कर रहा है। इसके लिए एनआईसी की मदद से एक आधुनिक वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से आवेदन, दस्तावेज अपलोड, सत्यापन, स्वीकृति और लाभ वितरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। पहले भी योजना के लिए आवेदन एनआईसी के वेब पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता था, लेकिन अन्य प्रक्रियाएँ भौतिक सत्यापन के द्वारा पूरी होती थीं। जिससे किसान परिवारों को समस्या का सामना करना पड़ता था। योजना के पूरी तरह ऑनलाइन हो जाने से किसानों को बार-बार तहसील या जिला कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और भ्रष्टाचार की संभावनाएँ भी समाप्त हो जाएंगी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल के अपडेशन का कार्य चल रहा है और इसे फरवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

दिसंबर 2025 तक लगभग 29,394 किसानों के आवेदन हुए स्वीकृत

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की शुरूआत सीएम योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2019 में की थी। राजस्व परिषद ने अपनी मण्डलवार रिपोर्ट में बताया कि इस योजना के तहत दिसंबर 2025 तक लगभग 29,394 किसानों के आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा आवेदन लखनऊ मण्डल में 3,569, गोरखपुर मण्डल में 3,143 जबकि अयोध्या और कानपुर मण्डल में क्रमशः 2,491 और 2,436 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। योजना प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों को दुर्घटना की स्थिति में एक सुरक्षा कवच प्रदान करती है। योजना के तहत किसानों को दुर्घटना से मृत्यु या स्थायी रूप से दिव्यांगता की स्थिति में अधिकतम 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। राजस्व परिषद की यह डिजिटल पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। योजना के डिजिटलीकरण से एक ओर घर बैठे आवेदन करने, आवेदन की स्थिति ट्रैक करने और लाभ की राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। वहीं दूसरी ओर समय की बचत और योजना के संचालन में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे।

लखनऊ ठाकुरगंज कोतवाली क्षेत्र में खूनी संघर्ष दबंग की दबंगई जमकर चलाएं लाठी-डंडे

मामूली सा विवाद गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुआ फिर देखते-देखते खूनी संघर्ष में बदल गया

प्रेरणा स्थल पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर बसंतकुंज योजना में एक बेहद खौफनाक मारपीट की घटनासामने आई है

सबसे बड़ा सवाल यह है की चौकी के इतने पास हुई घटना घटना पर कोई पुलिस भी नहीं पहुंची

दबंग किस्म के लोगों ने लाठी-डंडों से एक युवक पर 4 से 5 दबंगों ने हमला कर दिया जिससे युवक बुरी तरह जख्मी होकर जमीन पर गिर गया दबंग बने जानी दुश्मन

जिसमें लाठी-डंडों का जमकर इस्तेमाल हुआ जिसमें एक युवक बुरी तरह लहू लुहान हुए

बच्चों की लड़ाई में बड़ों में हुआ खूनी संघर्ष चले लाठी डंडे बुरी तरह घायल घायल को निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती हालत नाजुक बनी हुई है

बहादुरी किसी जाति-धर्म की बपौती नहीं, राष्ट्रसेवा ही सच्चा शौर्य: कुंवर मानवेंद्र सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति द्वारा आयोजित क्षत्रिय पुरोधा श्रद्धांजलि समारोह-2026 में विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि बहादुरी किसी जाति या धर्म की मोहताज नहीं होती। जो भी व्यक्ति राष्ट्र की रक्षा, सम्मान और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करता है, वही सच्चे अर्थों में क्षत्रिय है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज ने सदैव शौर्य, त्याग और बलिदान की परंपरा को जीवित रखा है। रणभूमि में मातृभूमि की रक्षा के साथ-साथ नीति, मयार्दा, न्याय और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत करना ही इसकी पहचान रही है। ऐसे आयोजनों से समाज को अपने गौरवशाली अतीत से सीख लेने की प्रेरणा मिलती है।

महासमिति के अध्यक्ष बाबा हरदेव सिंह ने कहा कि यदि समाज अपने पुरोधाओं और पूर्वजों को भूल जाता है तो आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास और संस्कारों से कट जाती हैं। इसी उद्देश्य से महासमिति ने हर वर्ष 25 क्षत्रिय पुरोधाओं को श्रद्धांजलि देने की परंपरा शुरू की है, जिससे युवा पीढ़ी अपने अतीत और विरासत से जुड़ सके। साहित्यकार विद्याबिंदु सिंह ने पितृ ऋण की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुरोधाओं को स्मरण करना इतिहास को वर्तमान से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की प्रोफेसर लवली शर्मा ने ऐसे आयोजनों को समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला बताया। भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति मांडवी सिंह ने कहा कि पूर्वजों की स्मृतियों को सहेजने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों में इतिहास के प्रति सम्मान पैदा करेगा। महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।